



NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2018

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours

100 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में लिखिए।

रानी पद्मावती

पद्मिनी ने अपना जीवन अपने पिता गंधर्वसेन और माता चम्पावती के साथ सिंहाला में व्यतीत किया था। पद्मिनी के पास एक बोलने वाला तोता "हीरामणि" भी था। उनके पिता ने पद्मावती के विवाह के लिये स्वयंवर भी आयोजित किया था जिसमें आस पास के सभी हिन्दू राजपूत राजाओं को आमंत्रित किया गया था। एक छोटे से राजा मलखान सिंह भी उनसे विवाह करने के लिये पधारे थे। चित्तोड़ के राजा रावल रतन सिंह रानी नागमती के होते हुए भी स्वयंवर में आये थे। और इन्होंने मलखान सिंह को पराजित कर पद्मिनी से विवाह भी कर लिया था। क्योंकि राजा रावल रतन सिंह स्वयंवर के विजेता थे। स्वयंवर के बाद वे अपनी सुंदर रानी पद्मिनी के साथ चित्तोड़ लौट आये थे।

१२ वी और १३ वी शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के आक्रमणकारीयों की ताकत धीरे धीरे बढ़ रही थी। इसके चलते सुल्तान ने दोबारा मेवाड़ पर आक्रमण कर दिया था। इसके बाद अलाउद्दीन ने सुंदर रानी पद्मावती को पाने के इरादे से चित्तोड़ पर भी आक्रमण कर दिया था। यह पूरी कहानी इतिहासकार अलाउद्दीन के लिखान पर आधारित है जिन्होंने इतिहास में राजपूतों पर हुए आक्रमणों को अपने लेखों से प्रदर्शित किया था।

लेकिन कुछ लोगो को उनकी इन कहानियों पर जरा भी भरोसा नहीं था क्योंकि उनके अनुसार अलाउद्दीन के लेख मुस्लिम सूत्रों पर आधारित थे जिसमें मुस्लिम को महान बताया था। उनके अनुसार अलाउद्दीन ने इतिहास के कुछ तथ्योक्त को अपनी कलम बनाकर काल्पनिक सच्चाई पर आधारित कहानियाँ बनायी थी।

उन दिनों चित्तोड़ राजपूत राजा रावल रतन सिंह के शासन में थे जो एक बहादुर और साहसी योद्धा भी थे। एक प्रिय पति होने के साथ ही वे एक बेहतर शासक भी थे। इसके साथ ही रावल सिंह को कला में भी काफी रुचि थी। उनके दरबार में काफी बुद्धिमान लोग थे। उनमें से एक संगीतकार चेतान भी था। लेकिन राघव सिंह के कारनामे सभी के सामने आने के बाद राजा बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने उसे अपने राज्य से निकाले जाने का भी आदेश दिया था। इस घटना के बाद वे राजा के सबसे कट्टर दुश्मनों में शामिल हो गए थे।

इस इसके बाद राघव चेतन ने दिल्ली की तरफ जाने की ठानी और वहाँ जाकर वे दिल्ली के सुल्तान

अलाउद्दीन खिलजी को चित्तोड़ पर आक्रमण करने के लिए मनाने की कोशिश करते रहते। जब राघव चेतन ने अलाउद्दीन को रानी पद्मावती की सुन्दरता के बारे में बताया तो अलाउद्दीन मन ही मन रानी पद्मावती को चाहने लगे थे।

सुल्तान की आर्मी ने चित्तोड़ की सुरक्षा दिवार को तोड़ने की बहुत कोशिश की लेकिन करने में वे सफल नहीं हो सके। तभी अलाउद्दीन ने किले को चारों तरफ से घेरना शुरू कर दिया। ऐसा पाते ही राजा रतन सिंह ने सभी राजपूतों को आदेश दे दिया की सभी खोलकर अलाउद्दीन की सेना का सामना करे।

आदेश सुनते ही रानी पद्मावती ने देखा की उनकी सेना का सामना विशाल सेना से हो रहा है। तभी उन्होंने चित्तोड़ की सभी महिलाओं के साथ जौहर करने का निर्णय लिया। उको अनुसार दुश्मनों के हाथ लगने से अगिकुंड में न्योछावर कर देती है।

यह खबर पाते ही चित्तोड़ के सैनिक ने पाया की अब उनके पास जीने का कोई मखसद नहीं है और तभी उन्होंने सका करने का निण्डय लिया। जिसने सभी सैनिक केसरी पोशक और पगड़ी के पहनावे में सामने आये और उन्होंने अलाउद्दीन की सेना को मरते दम तक सामना करने का निर्णय लिया था।

आज भी चित्तोड़ की महिलाओं के जौहर करने की बात को लोग गर्व से याद करते हैं। जिन्होंने दुश्मनों के साथ रहने कबिजाये स्वयं को आग में न्योछावर करने की ठानी थी। रानी पद्मनी के बलिदान को इतिहास में सुवर्ण अक्षरों से लिखा गया हैं।

[<www.GyaniPundit.com>]

१.१ पद्मावती कौन थी ?

पद्मिनी ने अपना जीवन अपने पिता गंधर्वसेन और माता चम्पावती के साथ सिंहाला में व्यतीत किया था पद्मिनी के पास एक बोलने वाला तोता " हीरामणि" भी था

(२)

१.२ पद्मावती की विवाह किसके साथ हुआ ?

चित्तोड़ के राजा रावल रतन सिंह रानी नागमती के होते हुए भी स्वयंवर में आये थे और इन्होंने मलखान सिंह को पराजित कर पद्मिनी से विवाह भी कर लिया था। क्योंकि राजा रावल रतन सिंह स्वयंवर के विजेता थे। स्वयंवर के बाद वे अपनी सुंदर रानी पद्मिनी के साथ चित्तोड़ लौट आये

(२)

१.३ राजा रावल सिंह के शासन का वर्णन कीजिए ?

उन दिनों चित्तोड़ राजपूत राजा रावल रतन सिंह के शासन में थे जो एक बहादुर और साहसी योद्धा भी थे। एक प्रिय पति होने के साथ ही वे एक बेहतर शासक भी थे। इसके साथ ही रावल सिंह को कला में भी काफी रुचि थी। उनके दरबार में काफी बुद्धिमान लोग थे।

(४)

१.४ चेतन राघव ने चित्तोड़ के खिलाफ क्या किया

जब राघव चेतन ने अलाउद्दीन को रानी पद्मावती की सुन्दरता के बारे में बताया तो अलाउद्दीन मन ही मन रानी पद्मावती को चाहने लगे थे। इस इसके बाद राघव चेतन ने दिल्ली की तरफ जाने की ठानी और वहाँ जाकर वे दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी को चित्तोड़ पर आक्रमण करने के लिए मनाने की कोशिश करते रहते

(२)

१.५ अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तोड़ पर आक्रमण क्यों की ?

अलाउद्दीन को रानी पद्मावती की सुन्दरता के बारे में बताया तो अलाउद्दीन मन ही मन रानी पद्मावती को चाहने लगे थे।

सुल्तान की आर्मी ने चित्तोड़ की सुरक्षा दीवार को तोड़ने की बहुत कोशिश की लेकिन करने में वे सफल नहीं हो सके। तभी अलाउद्दीन ने किले को चारों तरफ से घेरना शुरू कर दिया

(२)

१.६ "जौहर" अपने शब्दों हिन्दी में समझाइए ?

जौहर, कभी-कभी ज्वार या जुहर की वर्तनी, भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ हिस्सों में महिलाओं द्वारा सामूहिक आत्म-बलिदान की हिंदू प्रथा थी, जो किसी भी विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा कब्जा, गुलामता [3] और बलात्कार से बचने के लिए, एक युद्ध के दौरान हार। जौहर की कुछ रिपोर्टों में महिलाओं को अपने बच्चों के साथ आत्म-समर्पण करने का उल्लेख है। यह अभ्यास ऐतिहासिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में मनाया जाता था, जिसमें सबसे लोकप्रिय जौहर दर्ज किए गए इतिहास में राजस्थान में हिंदू राजपूत राज्यों और मुस्लिम सेनाओं के बीच युद्ध के दौरान हुआ था। जौहर सती से संबंधित है, और कभी-कभी जौहर सती के रूप में विद्वानों के साहित्य में भी जाना जाता है।

(४)

२.१ "मरते दम तक" अपने शब्दों हिन्दी में समझाइए ?

आखिरी श्वास से लड़ने के लिए पूरा साहस है। कभी हार मत मानो

(४)

[२०]

प्रश्न दो

२. दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखो।

२.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए।

२.१.१ बल्लख सरोवर में तैर _____ है। (रहा, रहे, रही) (२)

२.१.२ हिरन पेड़ _____ (पर, से, की) छाया में बैठा है। (२)

२.१.३ यह _____ (मेरे, मेरी, मेरा) पुस्तक है। (२)

२.२ इन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए।

२.२.१ गुड्डा गुड्डिया (२)

२.२.२ पुजारी पुजारिन (२)

२.३ नीचे लिखे वाक्यों को क्रम से लिखो।

२.३.१ दूध रहा है पी बच्चा। बच्चा दूध पी रहा है। (२)

२.३.२ रानी एक का हार चोरी कीमती है हो गया।
रानी का एक कीमती हार चोरी हो गया (२)

२.४ इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए।

२.४.१ लड़की लड़कियाँ (२)

२.४.२ ताला ताले (२)

२.५ वाक्य का सही काल लिखिए। कोष्ठक में से उत्तर चुनिए।
(भूतकाल वर्तमान काल भविष्यत काल)

२.५.१ दादी जी पूजा कर रही हैं। वर्तमान काल (२)

२.५.२ शेर ने हिरन को मार डाला। भूतकाल (२)

२.५.३ महिमा कल से विद्यालय जाएगी। भविष्यत काल (२)

२.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए।

२.६.१ जिसकी कोई उपमा न हो। अनुपम (२)

२.६.२ जो सब कुछ जनता हो। सर्वज्ञ (२)

२.७ चित्र वर्णन : निम्न चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
चित्र वर्णन



- २.७.१ चित्र के अनुसार ये लोग कहाँ हैं ?
ये लोग अस्पताल में हैं (२)
- २.७.२ "फेसबुक की लत" अपने शब्दों में समझाइए?
फेसबुक की प्रवृत्ति जहाँ लोग जीवन पर फेसबुक का वर्चस्व रखते हैं (२)
- २.७.३ मरीज का हाल बताओ ?
रोगी काफी घायल हो गया है। वह एक खराब स्थिति में दिखता है (२)
- २.७.४ अपने शब्दों में बताओं क्या हुआ ?
पति और पत्नी इस बात पर बहस कर रहे थे कि बच्चे को किस नाम से रखना चाहिए या तो फेसबुक कॉमर या गूगल कुमार (२)
- २.७.५ "फेसबुक" के बारे में अपने विचारों बताइए ?
फेसबुक अच्छा और बुरे अंक है हालांकि किसी को फेसबुक पर खर्च होने वाले समय को नियंत्रित करना चाहिए। बहुत अधिक समय हानिकारक हो सकता है (४)

[४०]

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ : कविता

३.१ शक्ति और सौन्दर्य

"यदि आग नहीं है गाने में " कवि क्या कहना चाहते हैं ?

गाने वाले की आवाज में अगर जोश नहीं है तो वह गाना गाना नहीं कहा जा सकता है। सुनने वालों को वह तभी प्रभावित करेगा अगर उसके गाने में दूसरों को खींचने वाला जोशिला पन हो।

(४)

३.२ दीपक में पतंग जलता क्यों

"दीपक में पतंग जलता क्यों" इस प्रश्न का अर्थ बताते हुए कविता का भावार्थ बताइए :
कवियित्री पुँती है पतंग दीपक के चारों ओर फड़फड़ाकर क्यों जलता है। पतंग दीपक को अपना प्रिय समझता है और उसकी चमक में जीता है। फिर ऐसा अभिनय वह क्यों करता है। जैसे कि वह दीपक से बहुत दूर है। वह समझता है कि पतंग पागल है। वह कहती है दीपक के ज्वाला में पतंग पागल है। आग में जलकर जीवन गँनाता है

(६)

३.३ ध्वनि

"तन्द्रालस " कवि ने इस शब्द द्वारा क्या संदेश देता है ?

मैं हरेक फूलों में आलस्य भरी जीद भर दूँगा। अपने जीवन में जो अमृत है उसे फूलों पर बरसा दूँगा। फिर उनको जीवन का सुखमय द्वारा खिता दूँगा। मैं कभी मर नहीं सकता। ये फूल भी अमर हो जा एँगे।

(६)

३.४ केवट प्रसंग अथवा सुबोध सौखियों - कबीरदास (answer either ३.४.१ or ३.४.२)

३.४.१ केवट प्रसंग : केवट के प्रेम में लपेटे हुए संवाद पर प्रकाश डालिए।

केवट के प्रेम में लपेटे हुए अटपटे वचन करुणाधाम श्रीरामचन्द्रजी जानकीजी और देखकर हँसे। कृपाके समुद्र श्रीरामचन्द्रजी केवटसे मुसकराकर बोले : भाई तू वही कर जिससे तेरी नाव न जाय। जल्दी पानी ला और पैर धो ले। देर हो रही है। पार उतार दे। केवट श्रीरामचन्द्रजी की आज्ञा पाकर कठौते में भरकर जल ले आया। अत्यन्त आनन्द और प्रेम में उमँगकर वह भगवन् के चरणकमल धेने लगा। श्रीरामने केवटसे नाव माँगी पर वह लाता नहीं। वह कहने लगा मैंने तुम्हारा मर्म जान लिया। तुम्हारे चरण कमलों की धूलिके लिए सब लोग बहते हैं कि वह मनुष्य बना देनेवाली कोई जड़ी है। मैं तो इसी नावसे सारे परिवारका पालन पोषण करता हूँ। दूसरा कोई धंधा नहीं जानता। हे प्रभु। यदि तुम अवश्य ही पार जाना चाहते हो तो मुझे पहले अपने चरणकमल पखारने के लिए कह दो।

(१०)

अथवा

३.४.२ सुबोध सौखियों -कबीरदास : इन दोहों को अपने शब्दों में हिन्दी में समझाइए ।

(क) " 'कबीर' कलि खोटी भई, मुनियर मिलैं न कोइ ।

लालच लोभी मसकरा, तिनकूँ आदर हुइ ॥ "

कबीर कहता है बहुत बुरा इस कलियुग में । कलियुग में भी आज सच्चे मुनि नहीं मिलते ।
आदर हो रहा है आज लालचियों का लोभियों का और मसखरों का

(५)

(ख) " सत न छाड़ै संतई, जे कोटिक मिले असंत ।

चंदन भूवंगा, तउ शीतलता न तजंत ॥ "

करोड़ो ही असन्त आ जाय तो भी सन्त अपना सन्तपना नहीं छोड़ता । चन्दन के वृक्ष पर
कितने ही सोंप आ बैठे तो भी वह भी वह शीतलता को नहीं छोड़ता ।

(५)

[२६]

प्रश्न ४ : कहानी

पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए :

४.१ दुख का अधिकार : इस कहानी के केंद्रीय विचार पर चर्चा कीजिए ?

प्रस्तुत कहानी में विपन्न माता के पुत्रशोक की तुलना संपन्न माता के पुत्रशोक से की गई है और इस
तरह यह दिखलाया गया है कि " दुख का अधिकार " दोनों को दुखी होने पर समान रूप से
प्राप्त नहीं है । इसके मूल में आर्थिक विषमता की आर संकेत किया गया है ।

(६)

४.२ काकी : श्यामू अन्यमनस्क होकर क्यों बैठा था ?

काकी के लिए कई दिन तक लगातार रोते रोते उसका रुदन तो कमशः शान्त हो गया । परन्तु शोक शान्त न हो
सका । श्यामू गंभीर हो गया । मतलब यह बात लाख रुपये की सुझाई । परन्तु कठिनता यह थी कि मोटी रस्सी
कैसी मंगाई ।

(४)

४.३ चोरी : चोरी कहानी में कौन सा सामाजिक समस्या पर कुठाराघात कि है ?

नन्दन और मालती प्रतिदिन मेवा खाते थे किन्तु वे बिन्दू को कभी नहीं देते थे । उसे भी मेवा खाने
की इच्छा तो होती ही थी । उस दिन जब मेवेके कुछ दाने उसे झाड़ू लगते समय मिले तो उसका
मन हाथमें नहीं रहा । उसने वे कुछ दाने चुरा लिए । मालतीने उसकी बँधी हुई मुट्ठी देखी ।
सामाजिक मुद्दे यह है कि लोग श्रमिकों के लिए सम्मान नहीं दिखाते हैं ।

(४)

[१४]

Total: 100 marks